सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-9: शहरी क्षेत्र में आजीविका

SHIVOM CLASSES 8696608541

सड़कों पर काम करना

बड़े - बड़े शहरों और महानगरों में कुछ लोग सड़कों के किनारे अपना सामान बेचते हैं जैसे कि सब्जी बेचने वाले फुटपाथ पर फूल बेचने वाले छोटे खिलौने बेचने वाले नाई मोची तथा ठेलो पर कुछ सामान रख कर उसे बेचने वाले यह लोग स्वरोजगार में लगे हैं उनको कोई दूसरा व्यक्ति रोजगार नहीं देता इसलिए उन्हें अपना काम खुद ही संभालना पड़ता है वह खुद योजना बनाते हैं कि माल खरीदें और कहां वह कैसे अपनी दुकान लगाएं अहमदाबाद शहर के एक सर्वे में पाया गया कि काम करने वालों में से 12% लोग सड़कों पर काम कर रहे थे तथा बड़े शहरों में इन फुटपाथ पर बेचने वाले लोगों को यातायात और पैदल चलने वाले लोगों के लिए एक रुकावट की तरह देखा जाता है तथा पुलिस प्रशासन भी इन्हें अपनी दुकानें नहीं लगाने देती और इन व्यक्तियों को अपनी सुरक्षा की कोई सुविधा प्राप्त नहीं है।

बाजार में दुकाने

बड़े-बड़े महानगरों में दुकानों की कतार लगी होती हैं जिसमें ज्यादातर दुकानें मिठाई खिलौने कपड़े चप्पल बर्तन बिजली के सामान मौजूद होते हैं यह स्थाई दुकानें होती हैं।

बड़ी दुकाने

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बड़े महानगरों में या शहरों में बड़ी दुकानें मौजूद होती हैं जिन्हें शोरूम कहते हैं यह बहुत बड़ी दुकानें होती हैं जिसमें हर प्रकार के सामान उपलब्ध होते हैं लेकिन यह छोटी दुकानें व फुटपाथ से महंगी होती हैं इन दुकानों में जो माल आता है वह अलग - अलग शहरों जैसे मुंबई - अहमदाबाद लुधियाना दिल्ली गुड़गांव नोएडा जैसे क्षेत्रों से आता है यह दुकाने अपने विज्ञापन भी चलाती हैं जो अखबारों टेलिविजन ओं रेडियो चैनल में आते हैं इन बड़ी दुकानों में कुछ लोग नौकरियां भी करते हैं इन दुकानों में नगर निगम से व्यापार करने के लिए लाइसेंस होता है।

लेबर चौक

बड़े शहरों में बहुत सारे अनियमित मजदूर होते हैं जो प्रतिदिन रोजगार के लिए समूहों में खड़े होते हैं जहां पर लोग उनसे काम के बदले मोल भाव कर सके इस स्थान को लेबर चौक के नाम से जाना जाता है यहां पर मिस्त्री भवन बनाने वाले लेबर ट्रक से सामान उतारने वाले टेलीफोन की लाइन पाइप लाइन की खुदाई करने वाले बहुत से मजदूर मौजूद होते हैं।

फैक्ट्री

यहां पर बहुत से मजदूर कार्य करते हैं तथा फैक्ट्री के अंदर अलग - अलग विभाग बने होते हैं जहां पर हजारों लोग नौकरियां करते हैं फैक्ट्रियों में बहुत से मजदूर अलग - अलग प्रकार की मशीनों पर कार्य करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- इस प्रकार के मजदूरों का वेतन अनियमित मजदूरों से ज्यादा होती है
- तथा फैक्ट्रियों में कार्य करने वाले मजदूर सुबह 9:00 बजे से रात 10:00 बजे तक काम को पूरा करते हैं तथा सप्ताह में 6 दिन काम करते हैं रविवार को भी काम पर जाना पड़ता है। अधिक समय तक काम करने के लिए इन मजदूरों को अतिरिक्त वेतन भी मिलता है।
- फैक्ट्रियों से तैयार माल को बड़े-बड़े बाजारों में बेचा जाता है तथा विदेशों में भी भेजा जाता है जिससे फैक्ट्रियां वर्षभर कार्य करती रहती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

दफ्तर (ऑफिस)

शहरों में महानगरों में बड़ी-बड़ी कंपनियां होती हैं और इन कंपनियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए बहुत सारे दफ्तर मौजूद होते हैं इन दफ्तरों में मैनेजर तथा सेल्समैन जैसे व्यक्ति कार्य करते हैं मैनेजर बहुत सारे सेल्समैन को कार्य का निर्देश देता है तथा निरीक्षण करता है सेल्समैन का कार्य होता है दुकानदारों से बड़े-बड़े आर्डर लेते हैं और उनसे भुगतान इकट्ठा करते हैं इस प्रकार से बड़ी कंपनियां अपने कार्य को नियंत्रित करती हैं।

इन दफ्तरों में मैनेजर स्थाई कर्मचारी होते हैं स्थाई कर्मचारी होने के कारण उन्हें निम्नलिखित फायदे होते हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बुढ़ापे के लिए बचत

उनकी तनख्वाह का एक भाग भविष्य निधि में सरकार के पास डाल दिया जाता है इस बचत पर ब्याज भी मिलता है नौकरी से सेवानिवृत्त होने पर यह पैसा मिल जाता है।

छुट्टियां

इतवार और राष्ट्रीय त्योहारों के लिए छुट्टी मिलती है उनको वार्षिक छुट्टियों के रूप में भी कुछ दिन मिलते हैं।

परिवार के लिए चिकित्सा की सुविधा

- कंपनी एक सीमा तक कर्मचारी और उनके परिवार जनों के इलाज का खर्चा उठाती है अगर तबीयत खराब हो जाए तो कर्मचारी को बीमारी के दौरान छुट्टी मिलती है।
- शहर में ऐसे कर्मचारी होते हैं जो दफ्तरों फैक्ट्रियों और सरकारी विभागों में काम करते हैं जहां उन्हें नियमित और स्थाई कर्मचारी की तरह रोजगार मिलता है वह लगातार उसी दफ्तर या फैक्ट्री में काम पर जाते हैं उनका काम भी तय होता है उनको हर महीने तनख्वाह मिलती है।
- अगर फैक्ट्री में काम कम होता है तो भी उन्हें नियमित रूप से काम करने वाले मजदूरों की तरह निकाला नहीं जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 98)

प्रश्न 1 नीचे लेबर चौक पर आने वाले मजदूरों की ज़िंदगी का विवरण दिया गया है। इसे पढ़िए और आपस में चर्चा कीजिए कि लेबर चौक पर आने वाले मजदूरों के जीवन की क्या स्थिति है ?

लेबर चौक पर जो मजदूर रहते हैं उनमें से ज्यादातर अपने रहने की स्थाई व्यवस्था नहीं कर पाते और इसलिए वे चौक के पास फुटपाथ पर सोते हैं या फिर पास के रात्रि विश्राम गृह (रैन बसेरा) में रहते हैं। इसे नगर निगम चलाता है और इसमें छः रूपया एक बिस्तर का प्रतिदिन किराया देना पड़ता है। सामान की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं रहने के कारण वे वहाँ के चाय या पान-बीड़ी वालों की दुकानों को बैंक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उनके पास वे पैसा जमा करते हैं और उनसे उधार भी लेते हैं। वे अपने औजारों को रात में उनके पास हिफाज़त के लिए छोड़ देते हैं। दुकानदार मजदूरों के सामान की सुरक्षा के साथ जरूरत पड़ने पर उन्हें कर्ज भी देते हैं।

उत्तर – मजदूरों के रहने की स्थिति बहुत ही खराब होती है। उसके पास रहने का कोई स्थाई निवास नही होता है। वे सड़क किनारे फुटपाथ पर या रात्रि विश्राम गृह (रैन बसेरा) में सोते हैं। रात्रि विश्राम गृह में प्राय: ज्यादा भीड़ भाड़ होती है। ये रैन बसेरा अवैध ड्रग व्यापार और अपराध का अड्डा होता है। इसकी हालत बहुत ही खराब होती है। उसके सामान और कमाई की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं रहता है। लेकिन पास के दुकानदार उसकी सहायता करते हैं। वह उसके सामान की हिफाज़त और जरूरत पड़ने पर कर्ज देने के रूप में सहायता करते हैं।

बच्चों मांझी की तरह ही शहर में कई सारे लोग सड़कों पर काम करते हैं वे चीजें बेचते हैं उनकी मरम्मत करते हैं या कोई सेवा देते हैं वे स्वयं रोजगार में लगे हैं उनको कोई दूसरा व्यक्ति रोजगार नहीं देता है इसलिए उन्हें अपना काम खुद ही संभालना पड़ता है वह खुद की योजना बनाते हैं कि कितना माल खरीदे और कहा व कैसे अपनी दुकान लगाएं उनकी दुकाने अस्थायी होती है कभी-कभी तो टूटे-फूटे गत्ते के डिब्बो या बक्सों पर कागज फैलाकर दुकान बन जाती है या खंभों पर त्रिपाल या प्लास्टिक चढ़ा लेते हैं वे अपने ठेले या सड़क की पटरी पर प्लास्टिक बिछा कर भी काम

SHIVOM CLASSES 8696608541

चलाते हैं उनको पुलिस कभी भी अपनी दुकान हटाने को कह देती है उनके पास कोई सुरक्षा नहीं होती कई ऐसी भी जगहे है जहां ठेले वालों को घुसने ही नहीं दिया जाता।

प्रश्न 2 निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए और उनका काम किस तरह से अलग है इसका वर्णन कीजिए।

नाम	काम की जगह	आय	काम की सुरक्षा	सुविधाएं	स्वयं का काम या रोजगार
बच्चू माँजी		100 रूपयें प्रतिदिन			
हरप्रीत और वंदना					स्वयं का काम
निर्मला			कोई सुरक्षा नहीं		
सुधा	कंपनी	30,000 रूपयें प्रतिमाह			

उत्तर –

नाम	काम की जगह	आय	काम की सुरक्षा	सुविधाएं	स्वयं का काम या रोजगार
बच्चू माँजी	सड़क	100 रूपयें प्रतिदिन	कोई सुरक्षा नहीं	कोई सुविधा नहीं	स्वयं का रोजगार
हरप्रीत और वंदना	दुकान	30,000 रुपये प्रतिमाह	सुरक्षा है	कोई सुविधा नहीं	स्वयं का काम
निर्मला	कपड़ा फैक्ट्री	280 रूपयें प्रतिदिन	कोई सुरक्षा नहीं	कोई सुविधा नहीं	स्वयं का रोजगार
सुधा	कंपनी	30,000 रूपयें प्रतिमाह	सुरक्षा है	सुविधा है	स्वयं का रोजगार

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 99)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 3 एक स्थायी और नियमित नौकरी अनियमित काम से किस तरह अलग है?

उत्तर – एक स्थायी और नियमित नौकरी, अनियमित काम से कई मायनों में अलग होती है। इन दोनों के बीच के अंतर निम्नलिखित हैं:-

स्थायी काम	अस्थायी काम
स्थाई काम में नियमित पगार(सैलरी) मिलता है।	अस्थाई काम में कोई नियमित आय नहीं होती है।
इसमें काम सुरक्षित रहता है।	इसमें काम सुरक्षित नही होता है।
इसमें अच्छी कमाई होती है।	इसमें बहुत कम कमाई होती है।
नौकरी से सेवानिवृति पर पैसा मिलता है।	सेवानिवृत्ति पर कोई पैसा नहीं मिलता है।
स्थाई नौकरी में काम के घंटे कम होते हैं	जबकि अनियमित काम में देर तक काम करना पड़ता है
निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं मिलती है	परंतु अनियमित काम में यह सुविधाएं नहीं मिलती
स्थाई नौकरी में पूरा साल का मिलता है	जबकि अनियमित काम सारा साल नहीं मिलता
इतवार,राष्ट्रीय और वार्षिक छुट्टी की सुविधा है।	इसमें इसकी सुविधा नहीं है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 4 सुधा को अपने वेतन के अलावा और कौन-से लाभ मिलते हैं ?

उत्तर – सुधा को अपने वेतन के अलावा और भी लाभ मिलते हैं, जो नीचे दिये गये है

1.बुढ़ापे के लिए बचत – सुधा के वेतन का एक भाग भविष्य निधि में सरकार के पास जमा हो जाता है इस बचत पर उसे ब्याज भी मिलता है उसे यह सारा पैसा नौकरी से रिटायर होने पर मिल जाएगा

2. छुट्टियां – उसे रविवार और राष्ट्रीय त्योहारों पर छुट्टी मिलती है उसे कुछ दिनों के लिए वार्षिक छुट्टी भी मिलती है

3. परिवार के लिए चिकित्सा की सुविधाएं – सुधा की कंपनी उसके तथा उसके परिवारजनों के इलाज का खर्चा उठाती है यदि सुधा की तबीयत खराब हो जाए तो उसे बीमारी के दौरान छुट्टी मिलती है इस छुट्टी का वेतन नहीं कटता

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 5 नीचे दी गई तालिका में अपने परिचित बाजार की दुकानों या दफ्तरों के नाम भरो कि वे किस प्रकार की चीज़ें या सेवाएँ मुहैया करातें हैं ?

दुकानों या दफ्तरों के नाम	**चीजों/सेवाओं के प्रकार**
प्रिंस मोबाइल गैलरी	
श्री राम मिष्ठान भंडार	
सेठी किरयाना स्टोर	
प्रदीप हार्डवेयर स्टोर	
अमित स्पीकर	
मुकेश इलेक्ट्रॉनिक्स	
राहुल सीएससी सेंटर	

उत्तर –

दुकानों या दफ्तरों के नाम	**चीजों/सेवाओं के प्रकार**
प्रिंस मोबाइल गैलरी	मोबाइल रिचार्ज , सिम कार्ड के कनेक्शन , नए मोबाइल बेचना
श्री राम मिष्ठान भंडार	गुलाबजामुन , पेड़ा , बर्फी , रसगुल्ला इत्यादि बेचना
सेठी किरयाना स्टोर	दाल, चीनी, चावल इत्यादि बेचना
प्रदीप हार्डवेयर स्टोर	रंग– पेंट , पाइप , ब्रश इत्यादि बेचना
अमित स्पीकर	नए स्पीकर, एम्प्लीफायर , टीवी रिमोट इत्यादि बेचना
मुकेश इलेक्ट्रॉनिक्स	एलईडी टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन इत्यादि बेचना
राहुल सीएससी सेंटर	जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र की फाइल तैयार करके सेवाएं देना

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)